

राज्यपाल ने पुस्तक 'धूप-छांव एक संस्मरण' का विमोचन किया

लखनऊ: 13 जनवरी, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज राजभवन में आयोजित एक कार्यक्रम में राजभवन के सेवानिवृत्त उद्यान अधीक्षक, डा० इन्द्रजीत प्रसाद शर्मा द्वारा लिखित पुस्तक 'धूप-छांव एक संस्मरण' का विमोचन किया। डा० शर्मा राजभवन में उद्यान अधीक्षक के पद पर लम्बे समय तक कार्य करते हुए वर्ष 2004 में सेवानिवृत्त हुए थे। इस अवसर पर डा० इन्द्रजीत प्रसाद शर्मा, वैज्ञानिक डा० प्रसाद, पूर्व डीन, चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर सहित श्री मनोज शर्मा व अन्य महानुभाव उपस्थित थे।

राज्यपाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्मरण लिखना मुश्किल होता है लेकिन शर्मा जी ने बड़ी सहजता और सरलता से अपने अनुभव प्रस्तुत किये हैं। यह पुस्तक वास्तव में उनके जीवन की परछाई है। सरकारी सेवा में रहते हुए कठिन समय में प्रमाणिकता के साथ काम करना वास्तव में प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि सामान्य आदमी अपने सामान्य जीवन के बारे में कैसे लिखता है यह किताब उसका एक सुंदर उदाहरण है।

श्री नाईक ने कहा कि उनके कार्यकाल को छः माह होने को आ रहे हैं। इस दौरान उन्होंने कई प्रकार के कार्यक्रम लखनऊ व लखनऊ के बाहर किये हैं। आज के कार्यक्रम का बहुत महत्व है। डा० शर्मा ने कई राज्यपालों के निर्देशन में राजभवन उद्यान में कार्य किया। श्री शर्मा ने अपने संस्मरण और अनुभव को अपने शब्दों में साझा किया है जो भावी पीढ़ी के लिये लाभदायक सिद्ध होंगे। उन्होंने कहा कि श्री शर्मा राजभवन परिवार के सदस्य की तरह रहे हैं और अपना कोई आदमी राजभवन के बारे में लिखता है तो आनंद होता है।

डा० इन्द्रजीत प्रसाद शर्मा ने अपनी बात रखते हुए कहा कि उन्हें दो चरणों में राजभवन में सेवा करने का अवसर मिला। अपने कार्यकाल में उन्हें कई राज्यपालों के साथ भी काम करने का मौका मिला। सेवानिवृत्त होने के बाद उनके परिवारजनों तथा मित्रों ने सलाह दी कि वे अपने अनुभव को संस्मरण के रूप में प्रस्तुत करें तो अच्छा रहेगा।

कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन श्री मनोज शर्मा ने किया।

-----



